Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

21 जनवरी 2026

वर्ष - 03, अंक - 38 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

कलेक्टर ने की जनसुनवाई, 80 आवेदकों की सुनी समस्याएं

चोथखेड़ा के धर्मसिह की जमीन से अवैध आधिपत्य हटाकर तत्काल कब्जा दिलाए - श्री चंद्रा

ग्राम चौथखेडा के धर्मसिह को राजस्व न्यायालय के आदेश पर अमल कर आवेदक की 0.06 हेक्टेयर जमीन पर अनावेदक के अवैध आधिपत्य को मौके पर टीम भेजकर हटवाए और धर्मसिह को तत्काल कब्जा दिलाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए चौथखेडा के आवेदक श्री धर्मसिह गुर्जर के आवेदन पर सुनवाई करते हुए तहसीलदार नीमच नगर को दिए।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सादड़ी रोड़ बघाना निवासी दिव्यांग नूर बानो के आवेदन पर रेडक्रास नीमच से निःशुल्क नवीन ट्राईसिकल दिलवाई। नूरबानो, कलेक्टर के हाथो ट्राईसिकल पाकर काफी खुश नजर आ रही थी, अब उसे काफी सुविधा हो जाएगी और वह अब अपनी जरूरत के हिसाब से कही भी आ जा सकेगी ।

जनसुनवाई में पालसोडा के राधाकिशन, धनगांव के नाथुलाल, बस्सी ब्लॉक रामपुरा के अमरदान, बामनबर्डी की देवकन्या, बमोरा

की पुष्पाबाई, सरोजबाई, भाटखेडी खुर्द के श्यामसिंह, हनुमंतिया के नानालाल, मल्हारगढ के डॉ.शबा रहमान, कचोली के नाथूलाल, भदाना के गोपाल, पालराखेडा की भारतीबाई, नयागांव की सम्पतबाई, भोलाराम कम्पाउण्ड नीमच की शानुने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए।

इसी तरह भदाना के भागीरथ, छायन की मुन्नाबाई, गिरदौडा के रूपचंद, नीमच के जयंत गोड, धामनिया की कशाली बाई, चौकडी के शिवलाल, गांधी कॉलोनी नीमच की कांताबाई, आंत्री बुजुर्ग के हीरालाल, इंदिरा नगर विस्तार नीमच के बाबूलाल नागदा, विनोबागंज नीमच के संजय गोहर, किरपुरा कला की कोमलदेवी, धारडी के कमलेश रेगर, बडकुआ के सुखलाल आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित ओवदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए ।

सभी प्राचार्य प्रयास करें कि बोर्ड परीक्षाओं में अधिकाधिक विद्यार्थी मेरिट में आए

नीमच । सभी प्राचार्य एवं शिक्षकगण आगामी बोर्ड परीक्षा तक एक माह अच्छी मेहनत कर विद्यार्थियों को पढ़ाएं, प्रयास करें, कि सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हो। उनकी श्रेणी में सुधार हो और अधिकाधिक विद्यार्थी प्रदेश की मेरिट में स्थान हासिल करें। नीमच जिला बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम में प्रदेश में पहले स्थान पर रहे। यह बात कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष नीमच में जिले के सभी शासकीय उ.मा.वि.के प्राचार्यो, संकुल प्राचार्यो, बी.ई.ओ., जिला शिक्षा कार्यालय के अधिकारियों की बैठक में 10वीं एवं 12वीं में प्री-बोर्ड के परीक्षा परिणामों की विद्यालयवार समीक्षा करते हुए कही। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुजानमल मांगरिया भी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया, कि प्री-बोर्ड परिक्षा में कक्षा 10वीं का परिणाम 89.5 प्रतिशत एवं 12वीं में 85.9 प्रतिशत रहा है। जो अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम की तुलना में काफी सुधरा है। कलेक्टर ने विद्यालयवार एवं विषयवार परिणामों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए, कि सभी प्राचार्य डी और ई श्रेणी वाले विद्यार्थियों पर विशेष फोकस करे और एक माह में इन श्रेणी के विद्यार्थियों की श्रेणी में सुधार लाकर उन्हें ए श्रेणी में लाने का प्रयास करें।

नीमच शोरूम चोरी, तीन आरोपी गिरफ्तार

50 CCTV फुटेज से हुआ खुलासा, एलईडी टीवी, बाइक सहित सामान बरामद

नीमच । महावीर नगर स्थित स्वामी इलेक्ट्रॉनिक्स और फर्नीचर शोरूम में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और चोरी का सामान जब्त किया है।

CCTV फुटेज और जांच से पकड़े आरोपी – शोरूम मालिक लवनीश गुलाटी ने पुलिस को बताया कि चोरों ने रात में ताले और कांच तोड़कर 50 इंच की एलईडी टीवी, इंडक्शन चूल्हा, कंबल और नकदी चोरी की थी। सीसीटीवी में रात करीब 3 बजे दो अज्ञात युवक वारदात करते हुए दिखे।

पुलिस ने लगभग 50 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और

मुखबिरों की मदद से तीन आरोपी अर्जुन भील (सालेड़ा), अरविंद नायक (ढाकनी), देवीलाल भील (पित्तलवाड़ी) को गिरफ्तार किया।

चोरी का सामान और उपकरण बरामद – पूछताछ में आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किया गया सामान, नकदी, प्लेटिना बाइक और ताले तोड़ने के उपकरण जब्त किए।

आगे की जांच जारी – पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई में निरीक्षक नीलेश अवस्थी, सउनि गोपाल सिंह जादौन और केंट पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बंगला बगीचा व्यवस्थापन प्रकोष्ठ के कार्यो की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई

नीमच । कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में सोमवार को बंगला बगीचा व्यवस्थापन प्रकोष्ठ के कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना अधिकारी शहरी श्री पराग जैन, प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारी श्री चंद्र सिह धार्वे, सीएमओ नीमच श्रीमती दुर्गा बामनिया एवं उप संचालक नगर एवं ग्राम निवेश सुश्री विनिता दर्शयामकर भी उपस्थित थी। बैठक में कलेक्टर ने नगरीय निकाय नीमच को शासकीय जमीनों का आधिपत्य लेने के लिए चिंहित करने

के निर्देश दिए और व्यवस्थापन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। उन्होने न्यायालय में प्रचलित प्रकरणों में नगरपालिका की ओर से जवाब प्रस्तुत करने और प्रकरणों का निराकरण करवाने के लिए अभिभाषक के माध्यम से प्रयास करने के निर्देश भी दिए।

45 साल के नितिन नबीन भाजपा अध्यक्ष बने

नई दिल्ली । नितिन नबीन मंगलवार को भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में उनके नाम का ऐलान किया गया। वे 14 दिसंबर 2025 को कार्यकारी अध्यक्ष बने थे। सोमवार को फुल टाइम अध्यक्ष पद के लिए इकलौता नामांकन आने पर वे निर्विरोध चुने गए। कार्यक्रम में PM मोदी ने उन्हें माला पहनाई, फिर 55 मिनट के भाषण में कहा, 'मैं BJP का कार्यकर्ता हूं। मैं मानता हूं कि नितिनजी मेरे बॉस हैं। अब वे मेरे काम का आकलन करेंगे। बतौर अध्यक्ष नितिन नबीन ने पहले भाषण में कहा, 'राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मेरा निर्वाचन एक साधारण कार्यकर्ता की असाधारण यात्रा को मिला सम्मान है।

नबीन ने 20 मिनट का भाषण दिया, कहा- हमें अपने हिस्से का त्याग करना होगा – 'हमने कार्यकर्ता के तौर पर पीएम मोदी के देशसेवा के काम करते हुए देखा। आपको देख कर ही सीखा है कि जो व्यक्ति खुद को लोगों की भावनाओं से जुड़ने वाला बना सकता है,वहीं बड़ा शख्स बनता है। आपने कहा था कि हम जो विकास का काम करते हैं। लोग हमसे उम्मीद करते हैं। हमसे जुड़ते हैं। मो दी ने कहा जो कांग्रेस की बुराइयों से बचेगा, वही आगे बढ़ेगा । आज देश को याद भी नहीं होगा कि 1984 में कांग्रेस को 400 से अधिक सीटें मिली थीं और देश ने कांग्रेस को करीब-करीब 50% वोट दिया था, लेकिन आज कांग्रेस 100 सीटों के लिए तरस गई है। कांग्रेस अपने इस घनघोर पतन की कभी समीक्षा नहीं करती, क्योंकि अगर समीक्षा करेंगे और पतन के कारणों पर जाएंगे तो उसी परिवार पर सवाल उठेंगे, जिस परिवार ने कांग्रेस पर कब्जा कर रखा है। और इसलिए बहाने ढूंढते रहते हैं। पतन का सही कारण ढूंढने की हिम्मत तक खो चुके हैं। जो कांग्रेस की बुराइयों से बचेगा, वही देश में आगे बढ़ेगा।'

राजस्थान में आंधी-बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली । देश के उत्तरी इलाकों में मंगलवार को भी मौसम में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के आने का अलर्ट है। यहां 5 दिन बाद आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई है। फिलहाल कई जिले कोहरे की चपेट में हैं, जिसके कारण विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के 10 शहरों में आज भी कोहरा छाया है। आगरा में ताज महल धुंध में छिप गया है। अगले 5 दिन तक यहां भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। लखनऊ, बाराबंकी, हाथरस समेत 5 शहरों में बारिश हुई, जबकि अलीगढ़ और लखीमपुर खीरी में एक दिन पहले ओले भी गिरे। उत्तराखंड के पिथौरागढ़, चमोली, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में नदी-नाले और झरने जम चुके हैं। औली में पारा माइनस 8 डिग्री तक पहुंच गया है, जिसके कारण पानी जमने लगा है। मौसम यह पूरा बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के आने से पहले ही होने लगा है। दरअसल, यह पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम है। जैसे ही यह एक्टिव होगा ।

नए लहसुन की आवक बढ़ी, गीला होने से मंडी में खुले में लगाए ढेर

नीमच । बारिश के बाद लहसुन के भावों में लगातार मंदी रही, लेकिन दिसंबर के बाद से बाजार में धीरे-धीरे तेजी का रुख दिखाई देने लगा है। रविवार की साप्ताहिक छुट्टी के बाद सोमवार को कृषि मंडी खुलते ही नए लहसुन की अच्छी आवक हुई, जिससे भावों में उछाल आया।

अधिकतम भाव 2979 रुपए बढ़कर 17,500 रुपए प्रति क्विंटल पहुंच गया। मॉडल भाव 1400 रुपए की तेजी के साथ 8400 रुपए रहा। न्यूनतम भाव 390 रुपए घटकर 3501 रुपए प्रति क्विंटल रहा। किसानों का कहना है कि लागत के मुताबिक भाव नहीं मिल रहे, जबकि व्यापारियों के अनुसार बेहतर क्वालिटी आने पर दाम और बढ़ सकते हैं।

जमीन विवाद में बहनें जनसुनवाई में लोटकर पहुंचीं, रसूखदार के खिलाफ 30 शिकायतें बेअसर, प्रशासन पर निष्क्रियता का आरोप

नीमच । कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान दो बहनें जमीन पर लोटकर पहुंचीं। उन्होंने ग्राम सगराना में अपनी कृषि भूमि पर भू-माफिया की ओर से अवैध कब्जे और प्रशासनिक निष्क्रियता की शिकायत की। पीड़ित बहनों की पहचान गुड्डी बाई और उनकी बहन के रूप में हुई है।

अवैध रूप से कब्जा कर पक्का मकान बनाया – महिलाओं ने अधिकारियों को बताया कि गांव के बापू सिंह पिता हरी सिंह ने उनकी सर्वे नंबर 789 की 0.80 हेक्टेयर कृषि भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर पक्का मकान बना लिया है। पीड़ित परिवार ने पिछले डेढ़ साल में कलेक्टर कार्यालय में लगभग 30 बार शिकायतें दर्ज कराई हैं, लेकिन

उन्हें हर बार केवल आश्वासन ही मिला।

जान से मारने की धमकी देने का भी लगाया आरोप – पीड़ित परिवार का आरोप है कि बापू सिंह उन्हें जान से मारने की धमकी देता है और अपनी राजनीतिक पहुंच का हवाला देता है। उनका कहना है कि सरकारी रिकॉर्ड में यह जमीन आज भी उनके नाम दर्ज है, फिर भी प्रशासन ने अवैध निर्माण के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है।

राजस्व विभाग ने कार्रवाई का दिया आश्वासन – महिलाओं के बेटे भगत सिंह ने जानकारी दी कि जब उनकी सामान्य शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं हुई, तब उनकी मां और मौसी को विरोध का यह तरीका अपनाना पड़ा। इस घटना के तुरंत बाद नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिलाओं को उठाया और उनकी शिकायत को गंभीरता से लिया।

राजस्व विभाग ने आश्वासन दिया है कि 28 तारीख को विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर जमीन का सीमांकन करेगी। विभाग ने अवैध कब्जा हटवाकर पीड़ितों को उनकी जमीन का हक दिलाने का वादा किया है। 30 शिकायतों के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन इस बार अपने वादे को पूरा करता है या नहीं।

शा.क.उ.मा.वि.सिंगोली में वार्षिकोत्सव समारोह सम्पन्न

नीमच 20 जनवरी (निप्र)। शासकीय कन्या उ.मा.वि.सिंगोली में चार दिवसीय वार्षिक उत्सव का समापन समारोह मंगलवार को विधायक जावद श्री ओमप्रकाश सखलेचा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। वार्षिक उत्सव तहत खेलकूद, साहित्यिक प्रतियोगिता, स्नेहभोज एवं सास्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष श्री सुरेश जैन भाया , उपाध्यक्ष श्री मोतीलाल धाकड़, श्री अशोक (विक्रम) सोनी, श्री लोकेश पटवा व सांसद प्रतिनिधि श्री गोपाल धाकड़ उपस्थित थे। विधायक श्री सखलेचा ने मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रचकचवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्था प्राचार्य श्री राजेन्द्र जोशी ने सभी अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत किया।

विधायक श्री सखलेचा ने अपने उदबोधन में कहा, कि शिक्षा में ए.आई. का प्रयोग कर जीवन को सफल बनाने के गुण बताए।साथ ही छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु स्टाफ सदस्यों से चर्चा कर सुझाव लिए। छात्राओं एवं शिक्षकों की मांग पर भौतिक एवं रसायन प्रयोगशाला हेतु एक कक्ष निर्माण की घोषणा विधायक ने की । गर्मी की छुट्टियों को उपयोगी बनाने के लिए विधायक ने सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क ऑनलाईन इंग्लिश स्पॉकन कोर्स में उपस्थिति होने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर शिक्षकगण एवं विद्यालय के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे। उक्त जानकारी संस्था के प्राचार्य श्री राजेन्द्र जोशी ने दी।

विधायक ने रामपुरा सिविल अस्पताल को दी लाखों रुपए की विकास कार्य की सौगात

रामपुरा को मिली बड़ी सौगात : विधायक मारू ने किया नवनिर्मित डोम और पेवर ब्लॉक का लोकार्पण

रामपुरा (मुकेश राठौर)। तहसील मुख्यालय पर सिविल अस्पताल परिसर में 40 लाख की लागत से नवनिर्मित कॉविड केयर सेंटर डोम एवं 6 लाख की लागत से सिविल अस्पताल परिसर में निर्मित पेवर ब्लॉक का आज लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया! सिविल अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक अनिरुद्ध माधव मारु ने सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया! इस अवसर पर विधायक अनिरुद्ध माधव मारु नगर परिषद अध्यक्ष सीमा जितेंद्र जागीरदार जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर खड्योत जिला महामंत्री नरेंद्र मालवीय जिला उपाध्यक्ष टीना चंदन देवड़ा मंडल अध्यक्ष गोपाल गुर्जर विधायक प्रतिनिधि दीपक मरच्या सांसद प्रतिनिधि विजय दानगढ़ सहित बड़ी संख्या में भाजपा जनप्रतिनिधि मनचासीन रहे! कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मारु ने रामपुरा नगर के विकास को लेकर मैं हमेशा कटिबंध रहा हूं किसी कड़ी में अभी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सार्वजनिक डोम जनता के लिए समर्पित किया जा रहा है! इसके बाद जल्द ही नवनिर्मित बिल्डिंग 100 बेड का अस्पताल रामपूरा में जल्द हीं अपने नए स्वरूप में नजर आएगा !इसके साथ ही रामपुरा के समीप में ग्रीनको पावर प्रोजेक्ट एवं न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट के आने के बाद रामपुरा के विकास को नए आयाम मिलेंगे सिविल अस्पताल रामपुरा को जल्द ही अपडेट किया जाएगा जिससे यहां पर्याप्त स्टाफ एवं उच्चतम सुविधाओं से लेस होकर एक आदर्श हॉस्पिटल के रूप में स्थापित होगा! इससे क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी ! डोम बनने के बाद अस्पताल में आने वाले ग्रामीण एवं नगर वासियों को अब भटकना नहीं पड़ेगा! उन्हें एक ही छत के नीचे सभी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी जिससे नागरिकों को करने वाली परेशानी है खत्म होगी । इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर वासी भाजपा पदाधिकारी जनप्रतिनिधि पंच सरपंच स्वास्थ्य विभाग का हमला एवं अधिकारी कर्मचारी वर्ग उपस्थित रहे!

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

ललित गर्ग

महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव इस बदलाव का सशक्त उदाहरण हैं। बड़े-बड़े दावे करने वालों के बोल ध्वस्त हुए हैं और विकास की राजनीति आगे बढ़ी है। जनता देश को एक नई दिशा, एक नए लोकतांत्रिक परिवेश और एक नई राजनीतिक संस्कृति में देखना चाहती है। यह संस्कृति केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन के तौर-तरीकों में बदलाव की मांग करती है।

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दशार्ता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढ़ह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का

संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुड़ाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्ल की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है।

बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पूणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था।

इन परिणामों से यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। ह्यमराठी मानुषह्ल जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में उसकी कमजोर होती पकड़ यह सवाल उठाती है कि क्या पार्टी बदलते राजनीतिक परिदृश्य को समझने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने में विफल हो रही है। महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर भी इन परिणामों ने प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके घटक दल पहले ही प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह पराजय उस संघर्ष को और कठिन बना देती है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ठाकरे और पवार जैसे परिवारों को अब अपनी राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। केवल विरासत और अतीत की उपलब्धियों के सहारे राजनीति नहीं चलाई जा सकती। जनता अब जवाबदेही, परिणाम और स्पष्ट दिशा चाहती है। इसके विपरीत भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह चुनाव जीतने का गणित अच्छी तरह समझ चुकी है। मजबूत बूथ मैनेजमेंट, कैडर आधारित संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक व सांगठनिक संबल उसकी सफलता की आधारशिला बने हैं। यही कारण है कि भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकली, बल्कि कई स्थानों पर अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी। इन चुनावों का व्यापक अर्थ केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। यह परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास, विकास और आश्वासन की राजनीति को जनता लगातार समर्थन दे रही है। यह राजनीति केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की अनुभूति कराती है। अंधेरों के बीच रोशनी की किरण की तरह यह राजनीति आम नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि उसका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इससे राजनीतिक परिभाषाएं ही नहीं बदलीं, बल्कि इंसान की सोच में भी परिवर्तन आया है। मतदाता अब भावनात्मक उकसावे से अधिक ठोस उपलब्धियों और संभावनाओं को महत्व देने लगा है।

महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव इस बदलाव का सशक्त उदाहरण हैं। बड़े-बड़े दावे करने वालों के बोल ध्वस्त हुए हैं और विकास की राजनीति आगे बढ़ी है। जनता देश को एक नई दिशा, एक नए लोकतांत्रिक परिवेश और एक नई राजनीतिक संस्कृति में देखना चाहती है। यह संस्कृति केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन के तौर-तरीकों में बदलाव की मांग करती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणामोन्मुखी प्रशासन अब केवल नारे नहीं, बल्कि जन अपेक्षा बन चुके हैं। बीएमसी जैसे शक्तिशाली संस्थान में भाजपा का वर्चस्व न केवल मुंबई की सत्ता संरचना को बदलेगा, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति की धुरी को भी नए सिरे से परिभाषित करेगा। यह जीत बताती है कि लोकतंत्र में वही राजनीतिक ताकत टिकाऊ होती है, जो समय के साथ खुद को बदलने, जनता की नब्ज पहचानने और विकास को केंद्र में रखने का साहस रखती है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों ने इसी सच्चाई को एक बार फिर उजागर किया है।

संपादकीय

दोस्ती की बातें महज रस्म-अदायगी

पैक्स सिलिका का मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई शृंखला, जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसको लेकर अभी कई अस्पष्टताएं हैं। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने नई दिल्ली पहुंचने पर भारत को जो ह्यउपहारह्ल दिया, वह एक सांत्वना पुरस्कार ही है। राजदूतों का काम संबंधित देश में अपने मुल्क के लिए सद्भावना निर्मित करना भी होता है, तो गोर ने भारतीय कानों को सुहावनी लगने वाली बातें कहीं। साथ ही एलान किया कि भारत को अगले महीने पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नौ देशों को शामिल करते हुए इस गठबंधन का एलान किया, तो उससे भारत में मायूसी का माहौल बना था। ट्रंप ने उसमें अपने देश के अलावा क्वॉड के दो सदस्य देशों-जापान एवं ऑस्ट्रेलिया को शामिल किया। साथ ही आई2यू2 समूह के देशों इजराइल और यूएई को भी उसमें रखा। मगर इन दोनों समूहों के सदस्य भारत को उससे बाहर रखा गया। इन देशों के अलावा दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ब्रिटेन और नीदरलैंड्स इसके बाकी सदस्य हैं। इसका मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के मामलों में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई शृंखला जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसमें निवेश और जिसकी कार्य प्रणाली को लेकर अभी तमाम किस्म की अस्पष्टताएं हैं। अब ट्रंप ने अपने राजदूत के जरिए इसकी सदस्यता का उपहार भारत को भेजा है। मगर इस समूह की परिकल्पना भारत की जरूरतों के हिसाब से नहीं की गई है। हकीकत यह है कि जो सप्लाई चेन ट्रंप चाहते हैं, उसकी तुरंत आवश्यकता अमेरिका को है। रेयर अर्थ खनिजों के क्षेत्र में निर्भरता के कारण उन्हें चीन के खिलाफ सख्त व्यापारिक कार्रवाइयां वापस लेनी पड़ी हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वरीय सिद्धांत

तीन अत्यन्त महत्त्वपूर्ण सिद्धांत व्यक्त होते हैं- यह जो संसार है परमात्मा से व्याप्त है, उसके अतिरिक्त सब मिथ्या है, माया है, भ्रम है, स्वप्न है। मनुष्य को उसकी इच्छानुसार सृष्टि संचालन के लिए कार्य करते रहना चाहिए। मनुष्य में जो श्रेष्ठता-शक्ति या सौन्दर्य है वह उसके दैवी गुणों के विकास पर ही है। मनुष्य जीवन के सुख और उसकी शांति के लिए इन तीनों सिद्धांतों का पालन ऐसा ही पुण्य-फलदायक है। ईश्वर उपासना मनुष्य का स्वाभाविक धर्म है। उपासना विकास की प्रक्रिया है।

संकुचित को सीमारहित करना, स्वार्थ को छोड़कर परार्थ की ओर अग्रसर होना मनुष्य के आत्मतत्त्व की ओर विकास की परंपरा है। पर यह तभी संभव है जब सर्व-शक्तिमान परमात्मा की सत्ता को स्वीकार कर लें, उसकी शरणागति की प्राप्ति हो जाय। मनुष्य रहते हुए मानवता की सीमा को भेदकर उसे देवस्वरूप में विकसित कर देना ईश्वर की शक्ति का कार्य है। जान-बूझकर या अकारण परमात्मा कभी किसी को दंड नहीं देता। प्रकृति की स्वच्छंद प्रगति प्रवृत्ति में ही सबका हित नियंत्रित है। जो इन प्राकृतिक नियमों से टकराता है वह बार-बार दुःख भोगता है और तब तक चैन नहीं पाता, जब तक वापस लौटकर फिर उस सही मार्ग पर नहीं चलने लगता है। भगवान भक्त की भावनाओं का फल तो देते हैं, किंतु उनका विधान सभी संसार के लिए एक जैसा ही है। भावनाशील व्यक्ति भी जब तक अपने आप की सीमाएं नहीं पार कर लेता, तब तक अटूट विश्वास, दृढ़ निश्चय रखते हुए भी उन्हें प्राप्त नहीं कर पाता। अपने से विमुख प्राणियों को भी वे दुःख-दंड नहीं देते। मनुष्य का विधान तो देश, काल और परिस्थितियों वश बदलता भी रहता है, किंतु उसका विधान सदैव एक जैसा ही है। भावनाशील व्यक्ति भी उसकी चाहे कितनी ही उपासना करे- सांसारिक कर्त्तव्यों की अवहेलना कर या दैवी-विधान का उल्लंघन कर कभी सुखी नहीं रह सकता। जैसा कर्म-बीज वैसा ही फल, यह उसका निश्चल नियम है। सुख और दुःख, बंधन और मुक्ति मनुष्य के कर्मो के अनुसार ही प्राप्त होते हैं। दुष्कर्मो का फल भोगने से मनुष्य बच नहीं सकता। अपनी तुच्छ सत्ता को परमात्मा की शरणागति में ले जाने से मनुष्य अनेकों कष्ट-कठिनाइयों से बच जाता है। गृहपति की अवज्ञा करके जिस तरह घर का कोई भी सदस्य सुखी नहीं रह सकता, उसी प्रकार परमात्मा का विरोधी भी कभी सुखी या संतुष्ट नहीं रह सकता।

रतनगढ़ में पेयजल स्त्रोंतो का अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उपखण्ड जावद ने किया निरीक्षण

रतनगढ़ । नागरिकों को शुद्ध और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी क्रम में, दिनांक 19.01.2026 को श्रीमति प्रीती संघवी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उपखण्ड जावद एंव बी.एल.डाबी तहसीलदार रतनगढ़ द्वारा नगर परिषद रतनगढ़ मे विभिन्न वार्डो मे पेंयजल सप्लाय का निरीक्षण किया गया तथा नीमच रोड स्थित जल शौधन केन्द्र (फिल्टर प्लांट) का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खेमचंद मुसले मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा रतनगढ़ मे पेंयजल सप्लाय के मुख्य स्त्रोतों की जानकारी दी गई एवं बताया गया कि, रतनगढ़ मे जल आपूर्ति प्रणाली को मजबूत करने के लिए नगर परिषद रतनगढ़ द्वारा निरंतर पेयजल टंकी एवं फिल्टर संयंत्र में एक विशेष सफाई अभियान चलाया जाकर प्रतिदीन पेंयजल सप्लाय की जा रही है तथा नगर परिषद अमले के साथ पेंयजल टंकी, तथा नगर के हेण्डपंप, ट्यूबवेल एवं वार्ड के अंतिम छौर पर विभिन्न वार्डो से पानी का सेम्पल लिया जाकर, लेबोरेट्री से जॉच कराई जा रही है एवं फिल्ड टेस्टीग कीट द्वारा भी निरंतन प्रत्येक वार्ड मे जॉच करवाई जा रही है तथा पेंयजल मे शुद्धता हेतु विशेष देखभाल की जा रही है, ताकि, जल शोधन मानकों पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि नागरिकों को रोगाणु रहित और स्वच्छ जल मिल सके।

शुद्ध और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना परिषद की है प्राथमिकता - इसी क्रम में, नीमच जिले के कलेक्टर महोदय, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण जिला नीमच के निर्देशों का पालन करते हुए प्रतिदीन नगर परिषद अध्यक्ष सुगनाबाई-कचरूलाल गुर्जर, खेमचंद मुसले मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं दीपक मुवेल उपयंत्री के निर्देषन मे जलकल प्रभारी कमल कुमार व्यास द्वारा जल आपूर्ति प्रणाली को मजबूत करने के लिए नगर परिषद रतनगढ़ द्वारा निरंतर पेयजल टंकी एवं फिल्टर संयंत्र में एक विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, तथा प्रतिदीन पेंयजल सप्लाय के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद अमले के साथ पेंयजल टंकी, तथा नगर के हेण्डपंप, ट्यूबवेल एवं वार्ड के अंतिम छौर पर विभिन्न वार्डो से पानी का सेम्पल लिया जाकर, सेम्पल लेकर फिल्ड टेस्टीग कीट द्वारा तत्काल जॉच करवाई जा रही है तथा पेंयजल मे शुद्धता की विशेष देखभाल की जा रही है, ताकि, जल शोधन मानकों पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि नागरिकों को रोगाणु रहित और स्वच्छ जल मिल सके।

निरीक्षण के दौरान ये रहे उपस्थित - रतनगढ़ मे पेंयजल निरीक्षण के दौरान श्रीमति प्रीती संघवी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उपखण्ड जावद एंव बी.एल.डाबी तहसीलदार रतनगढ़, खेमचंद मुसले मुख्य नगरपालिका अधिकारी, के साथ नरेश सागर राजस्व निरीक्षक, विनय तिवारी कस्बा पटवारी, पेंयजल प्रभारी कमल कुमार व्यास, भरत कुमार भाटी सहित निकाय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे ।

जिला प्रशासन की टीम ने किया 106 मांस विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण

नीमच । कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के निर्देशन में जिले में माँस विक्रेताओं की दुकानों पर पशु चिकित्सा विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा स्थानीय निकाय की टीम ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में संचालित चिकन, मटन, फिश वेण्डर्स के यहाँ निरीक्षण कर, स्वच्छता के स्तर का परीक्षण किया गया। इस दौरान जहाँ स्वच्छता का स्तर औसत पाया गया, उन्हें निर्देशित किया गया, कि स्वच्छता के मापदण्डों का पालन करें। उपसंचालक डॉ.राजेश पाटीदार ने बताया, कि 18 जनवरी को मनासा में मांस विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डा.आर.के.खद्योत एवं नगरपरिषद स्वच्छता निरीक्षक लोकेन्द्र साधु के साथ संयुक्त रूप से कर, माँस विक्रेताओं को आवश्यक निर्देश दिए गए है।नीमच जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में संचालित विभिन्न मांस दुकानों का पशु चिकित्सा विभाग के अमले द्वारा आकस्मिक निरीक्षण करने हेतु टीमों का गठन कर, 106 दुकानों का निरीक्षण किया गया है।जहाँ-जहाँ स्वच्छता का स्तर मानकों के अनुरूप नहीं पाया, उनको सुधार हेतु चेतावनी दी गई है ।

जैन श्वेताम्बर सोशल ग्रुप के द्विवार्षिक चुनाव सम्पन्न डॉ. प्रमिला नाहर अध्यक्ष निर्वाचित

भानपुरा (राकेश कुमार शर्मा) । जैन श्वेताम्बर सोशल ग्रुप भानपुरा के वर्ष 2026, 27 के चुनाव राष्ट्रीय महासचिव अनिल पुष्पा नाहर कि उपस्थिति में सम्पन्न हुए सभी पदाधिकारी का चुनाव सर्वानुमति से सम्पन्न हुआ अध्यक्ष पद पर क्षेत्र कि प्रसिद्ध चिकित्सक डा प्रमिला नाहर डॉ. पारस नाहर को दुसरी बार चुना गया अन्य पदाधिकारीयों में उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती ममता चोरड़िया,व अनिल संघवी, सचिव सुधीर नवलखा व नितीन नाहर, मानव सेवा चेयरमैन गोतम बाफना, कोषाध्यक्ष विशाल चोरड़िया, प्रचार सचिव पियुष वोरा, एवं सांस्कृतिक कमेटी चेयरमैन दिपीका नाहर व

महिला प्रतिनिधि दिपीका गांग व श्वेता

चोरड़िया को चुना गया सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को अध्यक्ष डा प्रमिला नाहर व अन्य सदस्य गणो ने बधाई दी एवं कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे दी है उसे सभी के सहयोग से सफलता पुर्वक निर्वहन करने का प्रयास करुंगी ओर जल्दी राष्ट्रीय पदाधिकारियों कि उपस्थि में नवीन पदाधिकारियों का शपथग्रहण समारोह होगा ।

भानपुरा हिंगलाजगढ़ किले में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

भानपुरा । हिंगलाजगढ़ किले में बच्चों ने प्रकृति को सिर्फ देखा नहीं, जिया भी। मध्यप्रदेश शासन वन विभाग और मप्र ईको पर्यटन विकास बोर्ड के सहयोग से वन मंडल मंदसौर के भानपुरा वन परिक्षेत्र द्वारा आयोजित 'अनुभूति' ईको कैंप में शासकीय माध्यमिक विद्यालय बोरदा और लेदीकला के करीब 130 विद्यार्थी व शिक्षक शामिल हुए। ये बच्चे यहां प्रकृति दूत बने। गांधीसागर के समीप ऐतिहासिक व प्राकृतिक पर्यटन स्थल पर जंगल की पगडंडियों ने सीखने की नई राह खोली। पॉलीथिन के दुष्प्रभाव बताए और कपड़े के थैलों के उपयोग के लिए प्रेरित किया। डीएफओ संजय रायखेरे ने जंगलगीता, पशु-पक्षियों और जैव विविधता के महत्व को सरल भाषा में समझाया। उप वनमंडलाधिकारी सरोज रोच और वन परिक्षेत्र अधिकारी अंकित भदौरिया के मार्गदर्शन में नेचर ट्रेल के जरिए बच्चों को वनों का प्रत्यक्ष अनुभव कराया गया। मास्टर ट्रेनर्स ने औषधीय पौधों, जड़ी-बूटियों, तितलियों - मधुमक्खियों की भूमिका, विषैले सांपों की पहचान तथा मिट्टी-जल संरक्षण की तकनीकों से परिचित कराया। क्विज में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, सभी को अनुभूति किट दी गई और कैंप में वन संरक्षक आलोक पाठक ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

ग्राम संधारा प्रखंड में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ सम्पन्न

भानपुरा (राकेश कुमार शर्मा) । आज ग्राम संधारा में विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें ग्राम संधारा में खेड़ापति हनुमान जी मंदिर पर पूजा अर्चना कर आरती के पश्चात शोभायात्रा खेड़ापति हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर महात्मा गांधी स्कूल में संपन्न हुई । जहां ग्राम वासियों ने पूरे कलश यात्रा मार्ग पर पुष्प वर्षा कर और पेयजल की व्यवस्था की हजारों की संख्या में माता बहनों वरिष्ठजनों युवा साथियों ने शोभायात्रा यात्रा में भाग लिया। हिंदू सम्मेलन मंच पर साधु संतों द्वारा मां भारती की पूजा अर्चना कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया और मंचीय कार्यक्रम की शुरुआत की गई।जिसमें साधु संतो का स्वागत वंदन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि संत योगी नेमसागर महाराज मिश्रोली धाम स्वागत किया गया और विशेष संतो में बजरंगदास जी महाराज कंकलेश्वर महादेव धाम चेचट योगी अमरनाथ जी महाराज सामरिया महावीरानंद जी महाराज हिंगलाज माता मंदिर आश्रम संधारा भगवताचार्य ओमप्रकाश जी कश्यप मातृ शक्ति सुश्री नंदनी कलवाडिया और संघ प्रवक्ता शुभम जी सेधव जिला प्रचारक गरोठ का भी स्वागत वंदन किया गया। और जिला प्रचारक जी ने अपने उद्बोधन में हिंदुओं को संगठित होकर समरसता से जाती पाती से ऊपर उठ कर राष्ट्र सेवा पर बल दिया। और सभी मंचासीन अतिथियों ने हिंदू एकता पर अपने उद्बोधन दिए स्वागत उद्बोधन हिंदू सम्मेलन प्रभारी एडवोकेट रासबिहारी द्विवेदी द्वारा दिया गया सभी अतिथियों ने देशभक्ति देशहीत समाजहीत मैं अपना अपना उद्बोधन दिया कई समितियां का स्वागत सम्मान भी किया गया बालक बालिकाओं द्वारा नृत्य प्रस्तुत किए गए । हिंदू सम्मेलन के अध्यक्ष लेखराज राठौर ने सभी आगंतुकों आभार जताया गया। और धन्यवाद ज्ञापित किया गया। समिति सदस्यों और सचिव राजेश शर्मा कमल प्रजापति विजय राठौर राकेश राव बंटी गौतम आदि सदस्यों का पूरे सम्मेलन में विशेष योगदान रहा। हिंदू सम्मेलन में ग्राम संधारा में सभी व्यापारियों ने अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर हिन्दू सम्मेलन में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया और पूरे गावे हर्ष भरा माहौल रहा।संधारा मंडल के आठों गांवों से हिन्दू भाई बहनों ने बढ़चढ़ कर हिन्दू सम्मेलन में भाग लिया और कार्यक्रम के अंत में सभी हिन्दू भाई बहनों का सामूहिक भोज सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन पवन सेन द्वारा किया गया।

घर में सुख-शांति और सकारात्मकता के लिए रखें भगवान हनुमान की खास तस्वीरें !

हमारे घरों में सकारात्मक ऊर्जा और शांति बनाए रखने के लिए वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं। इन्हीं उपायों में भगवान हनुमान जी की तस्वीरें भी महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। हनुमान जी को संकटमोचक कहा जाता है, और उनकी पूजा से न केवल कठिनाइयों का नाश होता है, बल्कि घर में सुख-शांति, समृद्धि और सकारात्मकता भी बनी रहती है।

मानसिक शांति और क्रोध पर नियंत्रण के लिए

अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में मानसिक शांति बनी रहे और घर के सदस्यों का क्रोध नियंत्रण में रहे, तो हनुमान जी की ध्यान मुद्रा वाली तस्वीर घर के उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएं। हनुमान जी की इस तस्वीर को देखकर मन शांत होता है और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। ध्यान मुद्रा में हनुमान जी का चित्र आत्मसंयम और शांति का प्रतीक है। यह चित्र आपको धैर्यवान और शांतचित्त रहने में मदद करता है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए

अगर घर के सदस्यों को बार-बार स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है, तो हनुमान जी की वह तस्वीर लगाएं जिसमें वे संजयवनी बूटी ले जाते हुए दिखाई देते हैं। यह तस्वीर भी घर की उत्तर-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। यह न केवल घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाती है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को भी दूर करती है। यह चित्र स्वस्थ जीवन और बल का प्रतीक है।

बुरी शक्तियों और नकारात्मक ऊर्जा से बचाव के लिए

अगर आप अपने घर को नकारात्मक ऊर्जा और बुरी शक्तियों से बचाना चाहते हैं, तो पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाएं। पंचमुखी हनुमान जी की यह तस्वीर सुरक्षा और शक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इसे घर में लगाने से घर पर कोई भी नकारात्मक शक्ति प्रभाव नहीं डालती और घर का हर सदस्य सुरक्षित महसूस करता है। यह चित्र शत्रुओं से बचाने और जीवन में साहस बनाए रखने में भी मदद करता है।

धन और समृद्धि के लिए

अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में धन और समृद्धि बनी रहे, तो सूर्य देव को प्रणाम करते हुए हनुमान जी की तस्वीर घर के दक्षिण दिशा में लगाएं। सूर्य देव को प्रणाम करते हुए हनुमान जी की तस्वीर से घर में धन का प्रवाह बना रहता है और सभी कार्यों में सफलता मिलती है। यह तस्वीर जीवन में प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है।

तस्वीरें लगाने में ध्यान रखने योग्य बातें

1. तस्वीर को साफ-सुथरी जगह पर लगाएं और उसके आस-पास गंदगी न रखें।
2. हनुमान जी की तस्वीर को रोजाना प्रणाम करें और अगर संभव हो तो दीपक जलाएं।
3. तस्वीर को हमेशा सकारात्मक भावना और श्रद्धा के साथ लगाएं।
4. तस्वीर को ऐसी जगह पर लगाएं जहां हर कोई आसानी से देख सके और वह दिशा वास्तु के अनुसार सही हो।

भगवान हनुमान की तस्वीरें केवल धार्मिक महत्व ही नहीं रखतीं, बल्कि वास्तु और सकारात्मक ऊर्जा के दृष्टिकोण से भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर आप इन तस्वीरों को सही दिशा और सही भावना के साथ अपने घर में लगाते हैं, तो यह आपके जीवन में सुख-शांति, स्वास्थ्य, समृद्धि और सुरक्षा लाने में मददगार साबित होगी।

सीढ़ियों के नीचे की जगह का करें स्मार्ट इस्तेमाल

इंटीरियर डिज़ाइनर के खास टिप्स

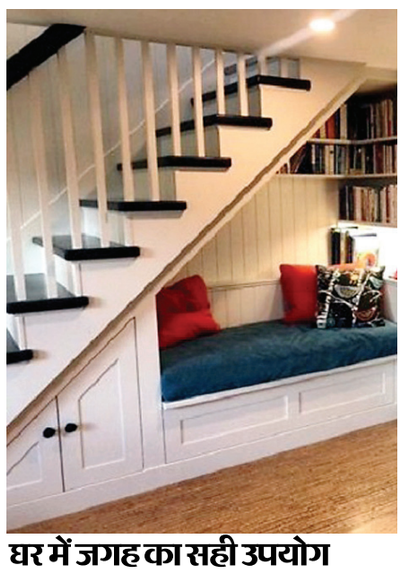

घर में जगह का सही उपयोग करना हर इंटीरियर डिज़ाइनर की प्राथमिकता होती है। अक्सर घरों में सीढ़ियों के नीचे की जगह खाली पड़ी रहती है, जिसे कई लोग नज़रअंदाज कर देते हैं। लेकिन, यह जगह न केवल आपकी जरूरतों को पूरा करने का, बल्कि आपके घर को और आकर्षक बनाने का मौका भी देती है। अगर आप भी अपने घर की सीढ़ियों के नीचे के कोने को उपयोगी और स्टाइलिश बनाना चाहते हैं, तो ये टिप्स आपके काम आ सकते हैं।

स्टोरेज एरिया बनाएं

सीढ़ियों के नीचे स्टोरेज एरिया बनाना सबसे आम और उपयोगी विकल्प है। आप इस जगह पर अलमारियां या कैबिनेट्स डिज़ाइन करवा सकते हैं। यह जगह जूतों, किताबों, या अन्य सामान को व्यवस्थित रखने के लिए परफेक्ट है। स्लाइडिंग दरवाजों के साथ मॉड्यूलर स्टोरेज डिज़ाइन इसे और भी फंक्शनल बना सकता है।

मिनी लाइब्रेरी या बुकशेल्फ का सेटअप करें

अगर आप किताबों के शौकीन हैं, तो सीढ़ियों के नीचे की जगह को मिनी लाइब्रेरी में बदल सकते हैं। दीवार पर फिटेड बुकशेल्फ डिज़ाइन करवाकर आप न केवल अपने घर को स्टाइलिश बना सकते हैं, बल्कि किताबों को व्यवस्थित रखने का बेहतरीन समाधान भी पा सकते हैं।

वर्कस्पेस या होम ऑफिस

आज के समय में वर्क फ्रॉम होम आम हो गया है। सीढ़ियों के नीचे का कोना एक कॉम्पैक्ट होम ऑफिस के लिए एकदम सही हो सकता है। यहां एक टेबल, कुर्सी और कुछ शेल्फ लगाकर आप इसे एक कार्यक्षेत्र में बदल सकते हैं। अच्छी रोशनी और दीवारों पर पिनबोर्ड या सजावट से इसे और भी आकर्षक बनाएं।

रीडिंग नूक (आरामदायक कोना)

आराम से बैठकर पढ़ने या चाय का आनंद लेने के लिए सीढ़ियों के नीचे एक छोटा सा रीडिंग नूक बनाया जा सकता है। इसके लिए एक छोटा सोफा, कुशन और साइड टेबल काफी होंगे। यह जगह परिवार और दोस्तों के लिए भी आरामदायक बन सकती है।

मिनी गार्डन या प्लांट डिस्प्ले

अगर आप हरियाली पसंद करते हैं, तो सीढ़ियों के नीचे की जगह को मिनी गार्डन में बदल सकते हैं। यहां छोटे गमले, सुकुलेंट्स और दीवार पर हैंगिंग प्लांट्स लगाकर इसे एक आकर्षक ग्रीन स्पेस में तब्दील करें। सही लाइटिंग और वॉटरप्रूफिंग का ध्यान रखें।

बच्चों के खेलने की जगह

सीढ़ियों के नीचे बच्चों के लिए एक छोटा प्ले ज़ोन डिज़ाइन किया जा सकता है। यहां कुशन, खिलौनों के बॉक्स और दीवार पर सजावटी पेंटिंग्स से इसे उनके लिए मज़ेदार और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

पालतू जानवरों के लिए कोना

अगर आपके पास पालतू जानवर हैं, तो सीढ़ियों के नीचे का स्पेस उनके लिए एक आरामदायक कोना बन सकता है। यहां उनका बिस्तर, खाने के बर्तन और खिलौने रखे जा सकते हैं। यह उन्हें उनकी खुद की एक जगह देने का शानदार तरीका है।

वाइन स्टोरेज या बार काउंटर

अगर आप वाइन कलेक्टर हैं या दोस्तों के साथ समय बिताना पसंद करते हैं, तो सीढ़ियों के नीचे वाइन स्टोरेज या मिनी बार काउंटर डिज़ाइन कर सकते हैं। यहां एक स्टाइलिश कैबिनेट और काउंटर लगाकर इसे एक आकर्षक एंटरटेनमेंट स्पेस बनाया जा सकता है।

डिस्प्ले यूनिट या गैलरी

सीढ़ियों के नीचे एक डिस्प्ले यूनिट बनाकर आप अपने घर की खासियत को बढ़ा सकते हैं। इसमें आर्ट पीस, पारिवारिक तस्वीरें या सजावटी सामान रख सकते हैं। सही लाइटिंग के साथ यह कोना आपके मेहमानों का ध्यान खींचने वाला बन जाएगा।

छोटे गेस्ट रूम का विकल्प

अगर आपके घर में जगह की कमी है, तो सीढ़ियों के नीचे एक छोटे गेस्ट रूम का सेटअप किया जा सकता है। यहां एक सिंगल बेड और कुछ ज़रूरी फर्नीचर रखकर इसे आरामदायक बनाया जा सकता है।

सीढ़ियों के नीचे की जगह को सही तरीके से उपयोग करके आप न केवल अपने घर को व्यवस्थित रख सकते हैं, बल्कि इसे एक नया और आकर्षक रूप भी दे सकते हैं। चाहे स्टोरेज हो, रीडिंग नूक, मिनी गार्डन या होम ऑफिस, आपके घर की इस अनदेखी जगह को स्मार्ट डिज़ाइन से काम में लाने के ढेरों विकल्प हैं। एक इंटीरियर डिजाइनर के रूप में मेरा मानना है कि हर इंच का सही उपयोग करना न केवल व्यावहारिक है, बल्कि आपके घर की सुंदरता और आरामदायकता को भी बढ़ाता है।

तो अगली बार अपने घर को डिज़ाइन करते समय सीढ़ियों के नीचे की जगह को भी एक नई पहचान दें!

1. स्टोरेज एरिया बनाएं

- एक स्मार्टली डिज़ाइन किया हुआ मॉड्यूलर स्टोरेज, जिसमें स्लाइडिंग दरवाजे हैं।
- दिखाएं कि जूतों और किताबों के लिए अलग-अलग खांचे किस तरह उपयोग किए जा सकते हैं।

2. मिनी लाइब्रेरी या बुकशेल्फ

- दीवार पर फिटेड बुकशेल्फ के साथ एक स्लीक डिज़ाइन।
- किताबों के साथ कुछ डेकोरेटिव आइटम्स, जैसे छोटे प्लांट्स या फोटो फ्रेम।

3. वर्कस्पेस या होम ऑफिस

- एक कॉम्पैक्ट टेबल और कुर्सी के साथ वॉल-माउंटेड शेल्फ।
- लैपटॉप, पिनबोर्ड, और सुंदर वॉल डेकोर के साथ वर्कस्पेस का सेटअप।

4. रीडिंग नूक (आरामदायक कोना)

- एक छोटी बेंच या सोफा, जिसमें कुशन और साइड में लैंप रखा हो।
- आरामदायक सेटअप, जिसमें किताबें और एक कॉफी मग रखा हो।

5. मिनी गार्डन या प्लांट डिस्प्ले

- सीढ़ियों के नीचे छोटे गमले, सुकुलेंट्स और हैंगिंग प्लांट्स का डिस्प्ले।
- वुडन पैनल्स और लाइटिंग के साथ ग्रीनरी को सजाते हुए।

6. बच्चों के खेलने की जगह

- छोटे कुशन, खिलौनों का बॉक्स और रंग-बिरंगी दीवारें।
- बच्चों के खेलने के लिए एक मस्तीभरा कोना।

7. पालतू जानवरों के लिए कोना

- सीढ़ियों के नीचे पालतू जानवरों का बिस्तर और उनके खाने-पीने की चीजें व्यवस्थित तरीके से।
- उनकी पसंदीदा चीजों जैसे खिलौनों और चबाने वाली हड्डियों को भी शामिल करें।

8. वाइन स्टोरेज या बार काउंटर

- स्टाइलिश वाइन रैक और बार काउंटर।
- ग्लास होल्डर्स और बैकलिट लाइटिंग के साथ एलिगेंट लुक।

ये भी पढ़ें- ङ्झ्हृह्लह्व अद्बश्चह्य- घर में इन जगहों पर भूलकर भी न रखें पैसे, हो सकती है धन हानि

9. डिस्प्ले यूनिट या गैलरी

- आर्ट पीस और तस्वीरों के साथ वॉल-माउंटेड डिस्प्ले यूनिट।
- स्पॉटलाइट्स के साथ हर डिस्प्ले को हाइलाइट करते हुए।

10. छोटे गेस्ट रूम का विकल्प

- सिंगल बेड और वॉल-माउंटेड फर्नीचर के साथ एक कॉम्पैक्ट गेस्ट रूम।
- हल्के रंगों और अच्छे लाइटिंग से इसे अधिक खुला और आरामदायक दिखाएं।

संतो के सानिध्य मे हुआ रामपुरा में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

रामपुरा । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रामपुरा नगर में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का संदेश दिया गया। वहीं सम्मेलन के बाद हर जाति-वर्ग के आयोजित हिंदू सम्मेलन में भागवत भास्कर आचार्य मिथलेश जी नागर ने हिन्दू समाज में जागृति, आत्मबोध और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण पर बल दिया।

वहीं मंच के माध्यम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला बौद्धिक प्रमुख वैभव जी ओझा प्रमुख वैभव जी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन समाज में एकता, समरसता और भेदभाव रहित जीवन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

श्री ओझा ने बताया कि समाज विरोधी और आसुरी शक्तियों का सामना केवल संगठित और जागरूक समाज ही कर सकता है। उन्होंने संगठन के विस्तार और सामाजिक एकता को समय की आवश्यकता बताया। छुआछूत, ऊंच-नीच और जातिवादी मानसिकता को समाप्त कर समरस हिन्दू समाज के निर्माण पर जोर दिया। । इस दौरान सम्पूर्ण नगर बंद रहा वही हिन्दू सम्मेलन मे बड़ी संख्या मे नगर के नागरिक मात्र शक्ति वर्ग उपस्थित रही कार्यक्रम के पश्चात् आयोजन स्थल पुरे हिन्दू समाज के लिए समरसता भोज का आयोजन किया जिसमे सभी नगरवासियो ने सहभोज किया।

सोने चांदी की कीमतों को बढ़ने के बाद सराफा बाजार में प्रतिदिन हो रहे विवाद व्यापारी मंडल ने सौंपा ज्ञापन

रामपुरा । चांदी सोने के दाम बढ़ने के कारण इन दिनों नगर में गिरवी रखी गई रकमों को लेकर आए दिन बाजार में व्यापारियों की दुकान पर हो रहे विवादों को लेकर आज व्यापारी मंडल ने रामपुरा के थाना प्रभारी श्री विजय सागरिया को ज्ञापन देकर मांग की कि इन विवादों में उन्हें सुरक्षा दी जाए तथा झूठे मामलों में उचित कार्रवाई की जाए इस पर थाना प्रभारी श्री सागरिया ने ने व्यापारियों को उचित आश्वासन दिया तथा इस तरह के विवादों में पुलिस को सूचना मिलने पर उचित कार्रवाई करने की बात कही साथ ही विगत 25 दिसंबर 2025 को नगर के मध्य छोटा बाजार में सराफा व्यापारी तरुण कीमती की दुकान में हुई चोरी के मामले में थाना प्रभारी ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर हमने कुछ लोगों को ट्रेस किया है तथा हम इस मामले में शीघ्र ही खुलासा करेंगे इस अवसर पर व्यापारी मंडल अध्यक्ष श्री कैलाश चांदना ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि थाना प्रभारी ने हमें गिरवी रखे मामलों में उचित कार्रवाई करने तथा व्यापारियों को सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया है ।

पीड़ित व्यापारियों ने सामूहिक रूप से थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा – इस अवसर पर व्यापारी मंडल अध्यक्ष कैलाश चांदना, सर्राफा व्यापारी संघ अध्यक्ष लोकेंद्र कडावत, सर्व श्री अनिल नाहटा, नंदकिशोर गुप्ता, शैलेश सोनी, अजय दानगढ़,राकेश सोनी, मनोज सुराना, शिवनारायण मकवाना ,जुगल किशोर गुप्ता,मनोज सोनी शिवम सोनी अतुल गुप्ता वरुण गांग, तनिष्क सोनी,नरेंद्र गुप्ता, गोपाल कारा रामप्रसाद सोनी तथा पत्रकार गण मौजूद थे ।

आवारा कुत्तों के हमले में मौत तो डॉग फीडर्स जिम्मेदार - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, 'आवारा कुत्तों के किसी हमले में चोट या मौत होती है, तो नगर निकाय के साथ ही डॉग फीडर्स की जिम्मेदारी भी तय की जा सकती है। कोर्ट ने कहा- पिछली सुनवाई की टिप्पणियों को मजाक समझना गलत होगा। हम गंभीर हैं। कोर्ट जिम्मेदारी तय करने से पीछे नहीं हटेगा क्योंकि मौजूदा व्यवस्था में स्थानीय प्रशासन की विफलता सामने आई है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने कहा- कोर्ट निजी पक्षों की दलीलें पूरी करके आज ही सुनवाई खत्म करना चाहती है। इसके बाद राज्यों को एक दिन का मौका दिया जाएगा।

असम में भीड़ ने घरों-चौकी में आग लगाई, हाइवे जाम

कोकराझार । असम के कोकराझार में बोडो समुदाय और आदिवासियों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद दोनों समुदायों ने घरों और करिगांव पुलिस चौकी में आग लगा दी। भीड़ ने टायरों में आग लगाकर करिगांव के पास नेशनल हाइवे जाम कर दिया। कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ते देख प्रशासन ने रैपिड एक्शन फोर्स तैनात कर दी है। एहतियात के तौर पर क्षेत्र में अगले आदेश तक इंटरनेट पर भी रोक लगा दी है। दरअसल, सोमवार रात करिगांव चौकी के पास मानसिंह रोड पर एक गाड़ी ने दो आदिवासी समुदाय के लोगों को टक्कर मार दी थी। कार में बोडो समुदाय के तीन लोग सवार थे। हादसे के बाद कार सवार लोगों को आस-पास के आदिवासी ग्रामीणों ने पीटा और गाड़ी में आग लगा दी। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। देर रात हुए भीड़ के हमले के बाद घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां सिखना ज्वह्वलाओ बिस्मित उर्फ राजा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह ठेकेदार मोरांडा बसुमतारी का दामाद था, जो इलाके में चल रही सड़क निर्माण परियोजना से जुड़े हैं। इस हमले में प्रभात ब्रह्मा, जुबिराज ब्रह्मा, सुनील मुर्मू और महेश मुर्मू गंभीर रूप से घायल हो गए। डॉक्टरों के अनुसार, प्रभात ब्रह्मा की हालत नाजुक बनी हुई है।

अनुभूति कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों ने जाना जंगल का महत्व, वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

रामपुरा । वन विभाग ने अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया, 127 विद्यार्थीयो और शिक्षकों को कराया वन भ्रमण । म.प्र. ईको पर्यटक विकास बोर्ड के समन्वय से वन परिक्षेत्र रामपुरा ने किया आयोजन । म.प्र. शासन वन विभाग म.प्र. ईको पर्यटक विकास बोर्ड के समन्वय से वनपरिक्षेत्र रामपुरा द्वारा नगर वन (लेक व्यू पार्क) रामपुरा में एक अनुभूति कार्यक्रम (ईको कैम्प) आयोजित किया । इसमे नवोदय विद्यालय रामपुरा के 127 विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने भाग लिया । विद्यार्थीयो को वन एवं वन्यप्राणी तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अनुभूमि कराकर उनके संरक्षक के लिए जागरूक किया । विभाग एवं विभागीय अधिकारियों के कार्यो उत्तरदायित्वों एवं चुनौतियों से विद्यार्थियों को श्री प्रदीक कछावा के द्वारा अवगत कराया गया । म.प्र. वनों में पाई जाने वाली वनस्पति के बारे में रोचक जानकारी, तथा उनके दैनिक जीवन में उपयोगों की जानकारी, चार प्रकार के विषैले सांपो से बचने और उनके विषय में जानकारी, एवं विभिन्न प्रकार के पौधों की जानकारी, वन एवं वन्यप्राणियों के बारे में जागरूक किया। सभी विद्यार्थियों को अनुभूति पुस्तिका, केप, पेन आदी प्रदाय किया गया। कार्यक्रम में रोचक खेल करवाये गये तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, करवाई गई जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान वाले प्रतियोगियों को पुरूस्कृत किया गया। ''हम हैं धरती के दूत' थीम पर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को परिक्षेत्र स्टॉफ के द्वारा ग्रुप बनाकर नेचर ट्रेल पर वन भ्रमण कराया गया तथा वनों में मौजूद औषधीय वनस्पतियों, पक्षियों एवं पशुओं के बारे में साथ ही वर्तमान में मिट्टी संरक्षण, जल संरक्षण के लिए किए जा रहे वानिकी कार्यो की जानकारी दी गई । कार्यक्रम में खेलो के साथ-साथ सामान्य ज्ञान परीक्षा का भी आयोजन किया गया । कार्यक्रम में माननीय विधायक महोदय श्री अनिरुद्ध माधव जी मारू, श्री प्रदीप कछावा उपवनमण्डलाधिकारी महोदय उपस्तित रहे। श्री भानुप्रतापसिंह सौलंकी वनपरिक्षेत्र अधिकारी रामपुरा द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। प्रेयरकगण मे प्रोफेसर श्री साधना सेवक, प्रोफेसर श्री अहिरवार, श्री इंदरजीत सिंह एवं श्री हिमांशु सिंह उपस्तित रहे।

कार्यक्रम मे ग्राम वन समिति अध्यक्ष, रामपुरा नवोदय स्कूल प्रिंसिपल श्री पंवार, रामपुरा मंडल अध्यक्ष श्री गोपाल गुर्जर, रामपुरा अस्पताल स्टॉफ व डॉ. पाटीदार, स्थानीय जनप्रतिनिधि, रामपुरा थाना प्रभारी श्री विजय सागरीया, स्थानीय पत्रकार तथा रामपुरा परिक्षेत्र स्टाफ़ उपस्थित रहे।

नीमच में GBS मरीज मिलने के बाद नपा प्रशासन अलर्ट

सभापति ने पानी पीकर की जांच, घरों से सैंपल लिए, उबालकर पीने की अपील

नीमच । बगीचा नंबर 13 क्षेत्र में एक GBS मरीज की पुष्टि होने के बाद नगर पालिका प्रशासन सक्रिय हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभापति छाया जायसवाल मंगलवार को नगर पालिका की तकनीकी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं।

सभापति ने पानी की जांच की – सभापति ने सबसे पहले मरीज के परिजनों से मिलकर उनकी स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने पूरे मोहल्ले की जल आपूर्ति शुरू कराई और विभिन्न घरों से पानी के नमूने लिए। मौके पर ही पानी की गुणवत्ता की जांच की गई, जिसमें क्लोरीन की मात्रा और टीडीएस (TDS) का स्तर मानक के अनुरूप पाया गया।

पानी उबालकर पीने की अपील – सभापति ने मोहल्लेवासियों को भरोसा दिलाया कि नगर पालिका द्वारा प्रदान किया जा रहा पानी पूरी तरह स्वच्छ है। हालांकि, एहतियात के तौर पर उन्होंने सभी नागरिकों से पानी उबालकर पीने की अपील की, ताकि किसी भी संक्रमण से बचा जा सके।

शहर में अब तक दो मामले – इस घटना से एक दिन पहले भी टीम ने मरीज के घर से पानी के दो अलग-अलग नमूने लिए थे। शहर में अब तक इस बीमारी के दो मामले सामने आ चुके हैं। चावला कॉलोनी निवासी एक अन्य मरीज का इलाज अहमदाबाद के एक अस्पताल में चल रहा है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्कः 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।